बदलाव

सीतापुर, फर्रुखाबाद और प्रयागराज समेत पांच जिलों में औद्योगिक विकास पकड़ेगा रफ्तार

बंद मिलों की जमीन पर बनेंगे आईटी पार्क व सौर ऊर्जा उद्योग

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की कताई मिलों पर नए उद्योग बसाने का ब्लूप्रिंट यूपीसीडा ने तैयार कर लिया है। 451 एकड़ के लिए विशिष्ट औद्योगिक विकास योजनाएं तैयार की गई हैं।

बुलंदशहर को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। फतेहपुर, फर्रुखाबाद के कम्पिल, प्रयागराज के मऊआइमा, सीतापुर के महमूदाबाद में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सौर ऊर्जा और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी। गाजीपुर में वस्त्र और ऑटोमोबाइल उद्योग लगेंगे।

उत्तर प्रदेश सहकारी संघ की निष्क्रिय पड़ी कताई मिलों की 451 एकड़ जमीन को उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को हस्तांतरित करने के साथ ही ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है। पांच जिलों में बरसों से वीरान और बंद पड़ी इन कताई मिलों से इन क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में ठहराव आ गया था।

बंद कताई मिलों की जमीन सीतापुर, फतेहपुर, प्रयागराज, फर्रुखाबाद और गाजीपुर में वर्षों से अनुपयोगी पड़ी थी। सरकार की मंशा के अनुरूप हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। नए उद्योगों की स्थापना से स्थानीय बाजारों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे व्यापार और वाणिज्य में वृद्धि होगी। पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी। - **मयूर महेश्वरी,** सीईओ, यूपीसीडा

अब यूपीसीडा इन जमीनों पर अत्याधुनिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित करेगा। इन जमीनों पर औद्योगिक विकास के लिए योजनाओं के तहत जल्द ही इन क्षेत्रों में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

4211 करोड़ से बदलेगी प्रदेश के छह बौद्ध पर्यटन स्थलों की तस्वीर

लखनऊ। केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में ऑनलाइन बैठक में एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने बिहार और उत्तर प्रदेश में बौद्ध पर्यटन स्थलों के विकास व संवर्द्धन के लिए प्रस्तुतीकरण दिया। इसमें यह जानकारी दी गई कि उत्तर प्रदेश के छह प्रमुख बौद्ध पर्यटन स्थलों का विकास 4211 करोड़ से किया जाएगा।

लखनऊ से बैठक में वर्चुअल जुड़े पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि एशियन डेवलपमेंट बैंक के कंसल्टेंट निवास कोलिगी ने बताया कि प्रदेश के छह प्रमुख बौद्ध पर्यटक केंद्रों सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, कौशांबी व संकिसा के विकास के लिए 4211 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें पहले चरण में सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती व कपिलवस्तु के लिए 2220 करोड़ की प्रिलिमिनरी प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर) तैयार कर केंद्र को भेजा गया है। उन्होंने बताया कि कौशांबी और संकिसा को दूसरे चरण में प्रस्तावित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बौद्ध परिपथ डेस्टिनेशन डेवलपमेंट रिपोर्ट भी भेजी गई है। बैठक में कुशीनगर में हर साल की तरह बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से बौद्ध महोत्सव आयोजित कराए जाने का भी अनुरोध किया गया। प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति मुकेश मेश्राम ने बौद्ध पर्यटन स्थलों व बुद्धिस्ट सर्किट स्थित स्थलों के बारे में जानकारी दी। ब्यूरो